



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 294]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 28, 1984/आषाढ़ 7, 1906

No. 294]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 28, 1984/ASADHA 7, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

आदेश

नई दिल्ली, 28 जून 1984

का० आ० 465(क)/18 क/आई. डी. आर. ए./84 :- भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 218(क)/18 क/आई डी आर ए/78 तारीख 29 मार्च 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त आदेश कहा गया है) कलकत्ता स्थित मैसर्स आलोक उद्योग वनस्पति एण्ड प्लाईवुड लिमिटेड नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध तारीख 29 मार्च 1978 से पांच वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था और वेस्ट बंगाल फॉरेस्ट डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड, 6 ए, राजा सुबोध मलिक स्क्वेयर, आठवीं मंजिल, कलकत्ता-700013 को प्राधिकृत नियंत्रक के रूप में नियुक्त किया गया था;

और, केन्द्रीय सरकार ने, अपनी यह राय होने पर कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त आदेश पूर्वी

पांच वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात प्रभावी बना रहे 30 जून 1984 तक को जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिए ऐसे बने रहने के लिए निदेश जारी किए थे देखिए भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 234(अ)/18 क, आई डी आर ए/83, तारीख 28 मार्च 1983 सं० का० आ० 694(अ)/18 क/आई डी आर ए/83, तारीख 29 सितम्बर 1983 और का० आ० 948 (3)/18 क/आई डी० आर ए/83, तारीख 31 दिसम्बर 1983;

और, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त आदेश 31 दिसम्बर 1984 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए प्रभावी बना रहे;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 35) की धारा 18 क की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त आदेश

31 दिसम्बर 1984 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फा० सं० 2(25)/74 सी यू एस०]

ए० पी० सरवन संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 28th June, 1984

S.O. 465(E)|18A|IDRA|84.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O.218(E)|18A|IDRA|78, dated the 29th March, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Alok Udyog Vanaspati and Plywood Limited, located at Calcutta, has been taken over for a period of five years with effect from 29th March, 1978, and the West Bengal Forest Development Corporation Limited, 6A, Raja Subodh Mallick Square, 7th Floor, Calcutta-700013, was appointed as the authorised controller;

And, whereas, the Central Government, being of opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect after the expiry of the period of five years aforesaid, had issued directions for such continuance for a further period upto and inclusive of the 30th June, 1984 vide Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 234(E)|18A|IDRA|83, dated the 28th March, 1983, S.O. 694(E)|18A|IDRA|83, dated the 29th September, 1983 and S.O. 947(E)|18A|IDRA|83, dated the 31st December, 1983;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st December, 1984;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st December, 1984.

[F. No. 2(25)|74-CUS|
A.P. SARWAN, Jt. Secy.]